

(b) if so, whether Government attention has been drawn to the acute scarcity of dry cells as a result thereof; and

(c) what steps Government propose to take to improve the situation?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI BIBUDHENDRA MISRA). (a) No special restrictions have been imposed on the import of zinc and superior manganese.

(b) Shortage of dry cells for civilian consumption has, however, been due to the production having been diverted to meet the urgent needs of Defence, Railways and other Government Departments in the wake of the Indo-Pakistan conflict

(c) Letters of intent have been issued for the setting up of three new units. Besides dry cells have been included as one of the priority industries for which imports have been liberalised and this will enable existing units to maximise their production

महोबा या हरपालपुर से खजुराहो तक रेलवे लाइन

642. श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) पर्यटकों को और अधिक सुविधाएँ देने तथा इसमें और अधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने के उद्देश्य से महोबा या हरपालपुर से खजुराहो तक रेलवे लाइन बिछाने के संबंध में कोई प्रस्ताव क्या सरकार के विचारधीन है, और

(ख) यदि हाँ, तो कब तक रेलवे लाइन बिछा दी जाएगी ?

†[RAILWAY LINE FROM MAHOBIA OR HARPALPUR TO KHAJURAHO

642. SHRIMATI VIDYAWATI CHATURVEDI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) whether there is any proposal under Government's consideration to lay a Railway line from Mahoba or Harpalpur to Khajuraho with a view to provide more facilities to the tourists and thus to earn more foreign exchange, and

(b) if so, when the line will be laid?

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ).

(क) जी नहीं ।

(ख) मवाल नहीं उठना ।

† [THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAM NATH) (a) No.

(b) Does not arise]

महोबा तथा हरपालपुर से पान की दुलाई से होने वाली आय

643 श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) 1947 से पूर्व मध्य रेलवे के जाम्नी-मानकपुर सेक्शन के महोबा तथा हरपालपुर स्टेशनों से पान की दुलाई द्वारा कितनी वार्षिक आय होती थी,

(ख) 1950 से 1965 तक वार्षिक आय क्या रही है, और

(ग) यदि आय में कमी हुई है, तो उसके क्या कारण हैं, और आय में कमी को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं ।

†[INCOME FROM TRANSPORTATION OF BETEL LEAVES FROM MAHOBIA AND HARPALPUR

643. SHRIMATI VIDYAWATI CHATURVEDI Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state

(a) the annual income derived from transportation of betel leaves from Mahoba and Harpalpur Railway stations of Jhansi Manakpur section of the Central Railway before the year 1947, and

(b) what has been the annual income from 1950 to 1965, and

(c) if there is a decline in income, what are the reasons therefor and what steps are being taken by Government check the decline in income?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० राम सुभग सिंह) (क) से (ग) अपेक्षित सूचना, जितनी उपलब्ध है, साथ के बयान में दी गई है ।

विवरण

(क) 1946 में महोबा और हरपाल-पुर रेलवे स्टेशनों से पान का जो परिवहन हुआ उससे क्रमशः 1 2 लाख और 0 10 लाख रुपये की वार्षिक आय हुई।

(ख) 1950 में 1965 तक की वार्षिक आमदनी इस प्रकार है—

वर्ष	महोबा	हरपालपुर
	(लाख रुपये)	
1950	1 83	0 29
1951	1. 49	0 21
1952	1 35	0 19
1953	1. 57	0 30
1954	1 75	0 25
1955	1 51	0 52
1956	आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।	
1957		
1958		
1959		
1960	0. 74	0 24
1961	1. 03	0 25
1962	0 40	0. 19
1963	0 63	0 29
1964	0 81	0 02
1965	0. 85	0 02

(ग) आमदनी कम हो जाने का कारण यह है कि यातायात सड़क के रास्ते होने लगा है, जिसमें घर पर माल पहुंचाने की व्यवस्था है।

आमदनी में गिरावट की रोकथाम के लिए रेल प्रशासन ने जो उपाय किये हैं, उनमें से एक यह है कि माल पहुंचाने में कम समय लगे, जिसके लिए यह कोशिश की जाती है कि माल जकेशन पर न रुका रहे और पार्सलों के आने जाने पर कड़ी निगाह रखी जाती है। सड़कों और सड़क वाहनो के विकास के साथ, कुछ-न-कुछ यातायात सड़क के रास्ते होना अनिवार्य है।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (DR. RAM SUBHAG SINGH): (a) to (c) The requisite information, as far as available, is shown in the enclosed Statement.

STATEMENT

(a) Annual earnings derived from transportation of betel leaves from Mahoba and Harpalpur Railway stations during 1946 Rs. 1.2 lakhs and Rs. 0 10 lakhs respectively.

(b) The annual earnings from 1950 to 1965 were as under—

Year	Mahoba	Harpalpur
(Rupees in lakhs)		
1950	1.83	0 29
1951	1.49	0 21
1952 . . .	1.35	0 19
1953 . . .	1 57	0.30
1954 . . .	1 75	0.25
1955 . . .	1 51	0 52
1956 } 1957 } 1958 } 1959 }	Not available.	
1960	0 74	0 24
1961	1.03	0.25
1962 .. .	0 40	0.19
1963 .. .	0 63	0.29
1964 . . .	0 81	0 02
1965 . . .	0.85	0.02

(c) Diversion of the traffic to road transport, which provides quick door to door service, accounts for the decline in earnings.

Steps taken by the Railway Administration to arrest the drop in earnings include improvement in transit time by avoiding detention of consignments at junctions and keeping close watch on the movement of the parcels. With the development of roads and road vehicles, a certain amount of diversion of traffic is bound to occur.]

दिल्ली और बम्बई के बीच चलने वाली गाड़ी के सम्बन्ध में पहले दर्जे की आरक्षण सूची लगाना

644 श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरङ्गिया क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि दिल्ली और बम्बई के बीच चलने वाली 19-अप गाड़ी के पहले दर्जे के